

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 18 August 2026

किसानों के लिए रिकॉर्ड मुआवजा पैकेज : 31,628 करोड़ रुपये की बड़ी राहत

Publisher

Published on 08 Oct 2025



महाराष्ट्र सरकार ने किसानों के लिए ऐतिहासिक राहत पैकेज का ऐलान किया है। मुख्यमंत्री देवेद्र फडणवीस ने घोषणा की कि बारिश और प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित किसानों के लिए **31,628 करोड़ रुपये का मुआवजा पैकेज** उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा, किसानों को **16 से 18 हजार करोड़ रुपये से अधिक का फसल बीमा पैकेज** भी दिया जाएगा, जिससे उनकी फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी।

मुख्यमंत्री देवेद्र फडणवीस ने कहा कि यह अब तक का सबसे बड़ा किसान राहत पैकेज है। उन्होंने यह भी बताया कि सरकार किसानों के संकट को देखते हुए तत्काल सहायता प्रदान करने के लिए हर संभव कदम उठा रही है। इस पैकेज का उद्देश्य केवल नुकसान की भरपाई करना ही नहीं, बल्कि किसानों को भविष्य के लिए सुरक्षित और आत्मनिर्भर बनाना है।

बारिश और प्राकृतिक आपदाओं के कारण कई जिलों में फसलें बर्बाद हुई हैं। इसके चलते किसानों को भारी नुकसान हुआ। राज्य सरकार ने पैकेज की रूपरेखा तैयार करते समय इस नुकसान का व्यापक मूल्यांकन किया। अधिकारी बताते हैं कि मुआवजा पैकेज में फसल नुकसान, बीज और कृषि यंत्रों की लागत, साथ ही फसल बीमा के दायरे में आने वाली राशि शामिल है।

फसल बीमा पैकेज के तहत किसानों को उनकी फसल की वास्तविक क्षति के अनुसार भुगतान किया जाएगा। इससे यह सुनिश्चित होगा कि प्राकृतिक आपदाओं और मौसम की मार के बावजूद किसान आर्थिक रूप से स्थिर रहेंगे। इसके अलावा, सरकार ने किसानों को सलाह दी है कि वे समय पर बीमा दावा प्रक्रिया पूरी करें ताकि उन्हें शीघ्र राहत मिल सके।

मुख्यमंत्री देवेद्र फडणवीस ने यह भी कहा कि राज्य सरकार किसानों के कल्याण के लिए लगातार योजनाओं को अपडेट कर रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि किसानों को हर वर्ष बेहतर और व्यापक बीमा कवरेज मिलेगा। इसके साथ ही कृषि आधुनिककरण और स्मार्ट खेती के लिए भी नए कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह राहत पैकेज महाराष्ट्र के किसानों के लिए नई उम्मीद लेकर आया है। पिछले सालों में प्राकृतिक

आपदाओं और मौसम परिवर्तन के कारण किसानों की आय पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। इस पैकेज के जरिए सरकार ने स्पष्ट संकेत दिया है कि किसानों के हित सर्वोपरि हैं और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना प्राथमिकता है।

कृषि विश्लेषक बताते हैं कि फसल बीमा पैकेज की राशि 16 से 18 हजार करोड़ रुपये होने से यह भारत के इतिहास में सबसे बड़ा फसल बीमा प्रावधान माना जा रहा है। इससे छोटे और मध्यम किसानों को अधिक लाभ मिलेगा और उनके आर्थिक संकट को कम किया जा सकेगा।

राज्य सरकार का यह कदम किसानों में विश्वास और आशा बढ़ाने वाला है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि केवल मुआवजा देना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि किसानों को दीर्घकालिक सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और कृषि में आत्मनिर्भर बनाने पर ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह पैकेज किसानों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच साबित होगा।

इसके साथ ही, सरकार ने यह भी सुनिश्चित किया है कि पैकेज का वितरण पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से किया जाएगा। अधिकारी समय-समय पर किसानों को जानकारी देंगे और पैकेज के लाभार्थियों की सूची सार्वजनिक रूप से साझा की जाएगी। इससे यह सुनिश्चित होगा कि लाभ सही हाथों में पहुंचे और किसी प्रकार की अनियमितता न हो।

मुख्यमंत्री ने यह भी घोषणा की कि किसानों की फसल बीमा और मुआवजा राशि के भुगतान के लिए विशेष डिजिटल प्लेटफॉर्म विकसित किया जाएगा। यह प्लेटफॉर्म किसानों को उनके फसल नुकसान और मुआवजे की जानकारी सीधे उपलब्ध कराएगा। इससे प्रक्रिया में पारदर्शिता और तेजी आएगी।

कुल मिलाकर, महाराष्ट्र सरकार द्वारा घोषित **31,628 करोड़ रुपये का मुआवजा पैकेज और 16-18 हजार करोड़ रुपये का फसल बीमा पैकेज** किसानों के लिए राहत और सुरक्षा का सबसे बड़ा संकेत है। यह कदम बारिश और प्राकृतिक आपदाओं की मार झेल रहे किसानों के लिए नई उम्मीद लेकर आया है और उन्हें आर्थिक संकट से बाहर निकालने में मदद करेगा।

महाराष्ट्र के किसान अब सरकार के इस ऐतिहासिक कदम के जरिए आश्वस्त हैं कि उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा और भविष्य में भी उन्हें पर्याप्त सुरक्षा मिलेगी। यह पहल न केवल राज्य के किसानों के लिए, बल्कि देश के अन्य राज्यों के लिए भी एक उदाहरण साबित होगी कि सरकार किसानों के हितों और सुरक्षा को प्राथमिकता देती है।